



कठिन बातचीत

Hard Conversations

उद्देश्य

यह प्रशिक्षण सेवकाई नेतृत्व में **कठिन बातचीत** के महत्व पर केंद्रित है।

हालाँकि ये बातचीत कठिन होती हैं, फिर भी ये **व्यक्तिगत और सेवकाई दल** दोनों की आत्मिक वृद्धि और परिपक्वता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

इस सत्र में पाँच प्रकार की कठिन बातचीत पर चर्चा की गई है, जिनके लिए नेताओं को तैयार रहना चाहिए:

1. परिवर्तन (**Transition**) की बातचीत
2. चरित्र (**Character**) की बातचीत
3. समस्या समाधान (**Problem-solving**) की बातचीत
4. स्वीकारोक्ति (**Confessional**) की बातचीत
5. तत्काल सुधार (**In-the-moment correction**)

जब ये बातचीत **सत्य और प्रेम** के साथ की जाती हैं, तो वे सेवकाई के वातावरण को **स्वस्थ और समृद्ध** बना सकती हैं।

सारांश (OVERVIEW)

- कठिन बातचीत का महत्व
- पाँच प्रकार की कठिन बातचीत:
 - परिवर्तन से जुड़ी बातचीत
 - चरित्र से संबंधित बातचीत
 - समस्याओं के समाधान की बातचीत
 - स्वीकारोक्ति की बातचीत
 - तत्काल सुधार के लिए बातचीत

आगुवाओं भी कठिन बातचीत की आवश्यकता होती है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- इफिसियों 4:15

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. इन पाँच प्रकार की कठिन बातचीत में से आपके लिए सबसे कठिन कौन-सी है और क्यों?

2. आपकी स्वयं की जिंदगी के कौन-से क्षेत्रों में आपको सुधार की आवश्यकता है ताकि आप इन वार्तालापों को और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें?

3. आप अपनी सेवकाई में ऐसा कैसा वातावरण बना सकते हैं जहाँ कठिन बातचीत को **विकास का अवसर** माना जाए?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- मत्ती 18:15-17
- गलातियों 6:1-2
- याकूब 5:16
- नीतिवचन 27:6